कक्षा- आठवीं
पाठ-3

बस की यात्रा

— हरिशंकर परसाई

शब्दार्थ

प्रयाण - प्रस्थान, मरना
बेताबी - बेचैनी
अंत्येष्टि - मृतक कर्म, दाह कर्म
बियाबान - जंगल, सुनसान
इत्तफाक - संयोग
गोता - डुबकी लगाना
निमित्त - कारण, साधन
निशान - चिह्न
डाकिन - डाका डालने वाली
सदियों - युगों से
कूच करना - आगे बढ़ना, चलना
दुर्लंघ्य - कठिन
इत्मीनान - निश्चिंत
दर्शनीय - दया दिखाने योग्य
सविनय - प्रार्थना सहित
असहयोग - साथ न देना
अवज्ञा - न मानना
दौर - समय
उत्सर्ग - त्याग
फकीर - साधु

Scanned with CamScanner

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-उत्तर

.कारण बताएँ

1. "मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ पहली बार सद्भाव से देखा।"

* लेखक के मन में हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा क्यों जग गई?

उत्तर:- पुलिया के ऊपर बस का टायर पंचर हो गया। बस जोर से हिलकर रुक गई। बस तेज गति से चल रही होती तो अवश्य ही उछलकर नाले में गिर जाती। ऐसे में लेखक ने कंपनी के हिस्सेदार की ओर सद्भाव से देखा। यह श्रद्धा इसलिए जागी क्योंकि हिस्सेदार केवल अपने स्वार्थ हेतु लाचार था। वह जानता था कि बस के टायर खराब हैं और कभी भी लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है। यात्रियों की चिंता किए बिना धन बटोरने पर लगा था।

2. "लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफर नहीं करते।"

* लोगों ने यह सलाह क्यों दी?

उत्तर :- 'समझदार आदमी इस शाम वाली बस में सफर नहीं करते' लोगों ने लेखक और उसके मित्रों को यह सलाह इसलिए दी क्योंकि वे जानते थे कि बस की हालत बहुत खराब है। रास्ते में बस कभी भी और कहीं भी धोखा दे सकती है।

3. "ऐसा जैसे सारी बस ही इंजन है और हम इंजन के भीतर बैठे हैं।"

* लेखक को ऐसा क्यों लगा?

उत्तर :- जब बस की चालक ने स्टार्ट किया तो सारी बस में अजीब-सी थरकन उत्पन्न हुई। ऐसे में लेखक और उसके मित्रों को लगा कि जैसे सारी बस ही इंजन है और हम इंजन के अंदर बैठे हैं। अर्थात् इंजन के स्टार्ट होने पर इंजन के पुर्जों की भाँति बस के सारे हिल रहे थे।

Scanned with CamScanner

4. "गजब हो गया। ऐसी बस अपने आप चलती है।"
* लेखक को यह सुनकर हैरानी क्यों हुई?
उत्तर :- जब लेखक ने बस को जर्जर व क्षीण अवस्था में देखा तो उसे यह विश्वास नहीं था कि वह सफर तय कर सकेगी। इसी कारण उसने कंपनी के हिस्सेदार से यह पूछा कि यह बस चलती भी है तो उन्होंने उत्तर दिया कि यह अपने-आप चलती है।

5. "मैं हर पेड़ को अपना दुश्मन समझ रहा था।"
* लेखक पेड़ों को दुश्मन क्यों समझ रहा था?
उत्तर।- लेखक को हर पेड़ दुश्मन दिखाई दे रहा था यानी उसे हर पेड़ से डर लग रहा था। वास्तव में बस की दशा बहुत खराब थी उसे जबरदस्ती चलाया जा रहा था। इसीलिए लेखक को लग रहा था कि कहीं बस की किसी पेड़ से टक्कर न हो जाए।

भाषा की बात

(1) उपर्युक्त वाक्यों के समान वश और बस शब्द से दो-दो वाक्य बनाइए।

(1) वश - मेरे क्रोध पर मेरा वश नहीं चलता।
लुटेरों ने ऐसी चाल चली कि सब उनके वश में हो गए।

(2) बस - हमारी स्कूल बस हमेशा सही वक्त पर आती है।
यह बस पुरानी है।

Scanned with CamScanner

2. कहानी में से दोनों प्रकार के चार वाक्यों को चुनिए।

उत्तर :- कारक शब्द से निर्मित वाक्य –

① पन्ना से इसी कंपनी की बस सतना के लिए घंटे भर बाद मिलती है।

② यह बस पूजा के योग्य थी।

* कि योजक शब्द से बनने वाले वाक्य –

① मालूम हुआ कि पेट्रोल की टंकी में छेद हुआ है।

② हमें लग रहा था कि हमारी सीट के नीचे इंजन है।

③ ऐसी कुछ और क्रियाएँ एकत्र कीजिए जो गति के लिए प्रयुक्त होती हैं, जैसे - घूमना इत्यादि। इन्हें वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

① दौड़ना - मुझे तेज दौड़ना अच्छा लगता है।

② टहलना - हमें रोज हरी घास पर टहलना चाहिए।

④ नीचे दिए गए शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करके देखिए। ध्यान रहे, एक ही शब्द वाक्य में दो बार आना चाहिए और शब्दों के अर्थ में कुछ बदलाव होना चाहिए।

(क) जल (ख) हार

(क) वह बुरी तरह जल गई थी इसलिए उस पर जल डाला जा रहा था।

(ख) अगर तुम दौड़ में हार जाते तो इनाम में मोतियों का हार तुम्हें प्राप्त न होता।

Scanned with CamScanner

5. संख्यावाचक विशेषण और गुणवाचक विशेषण के दो-दो उदाहरण खोजकर लिखिए।

उत्तर :- संख्यावाचक विशेषण - आठ, चार, पाँच

गुणवाचक विशेषण - महान, श्रद्धा, अनुलवी

Scanned with CamScanner